भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1198
उत्तर देने की तारीख 08.12.2025

भारतीय कला और संस्कृति का प्रचार

1198. श्री निलेश ज्ञानदेव लंके :
श्री ज्ञानेश्वर पाटील :
डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे :
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भारतीय संस्कृति को एक सॉफ्ट पावर के रूप में बढ़ावा देने हेतु कोई विशेष नीति लागू कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:

(ख) क्या सरकार वैश्विक मंच पर भारतीय कला, शिल्प, संगीत और योग को सशक्त रूप से प्रदर्शित करने की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग करने की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार भारतीय विश्वविद्यालयों में पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति आधारित पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठा रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने, विदेशों के साथ सांस्कृतिक संबंध सुदृढ करने, द्विपक्षीय सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने, विश्व मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने और इनबाउंड पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए 'वैश्विक भागीदारी स्कीम' कार्यान्वित की जाती है।

वैश्विक भागीदारी स्कीम का संचालन विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के माध्यम से किया जाता है ताकि निम्नलिखित घटकों के माध्यम से इसके लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके:

I) भारत महोत्सव:

लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और कठपुतली कला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रयोगात्मक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि सहित लोक कलाओं जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर तले विदेश में प्रस्तुति देने का अवसर दिया जाता है।

II) **भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान:** भारत और संबंधित विदेश के बीच घनिष्ठ मैत्री और सांस्कृतिक संपर्क को बढ़ावा देने के प्रयोजन से विदेशों में सक्रिय रूप से कार्यरत भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को हमारे भारतीय मिशनों के माध्यम से सहायता अनुदान जारी किया जाता है।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (सीईपी) पर हस्ताक्षर भी करता है ताकि विदेश में भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ावा दिया जा सके और कलाओं और संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में भारत और अन्य देशों के बीच अंतर-सांस्कृतिक संबंधों को विकसित और संवर्धित किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, विदेश मंत्रालय (एमईए) के अंतर्गत स्वायत्त संगठन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भारतीय संस्कृति को सॉफ्ट पावर के रूप में बढ़ावा देने हेतु जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम; आईसीसीआर की खोज; पद्म पुरस्कार विजेता श्रृंखला; आईसीसीआर 'युवा मित्र' और कला साधक पुरस्कार; अन्नपूर्णा प्रमाणपत्र और प्रतिभा संगम प्रतियोगिता जैसी अनेक पहलें कार्यान्वित की जाती हैं।

अपने अधिदेश के अनुसार, आईसीसीआर अपने विदेश में स्थित सांस्कृतिक केन्द्रों और मिशनों/पोस्टों के माध्यम से योग, नृत्य, संगीत (गायन और वाद्य) और भाषाओं के शिक्षण के साथ-साथ अन्य कार्यकलापों का आयोजन करते हुए पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति का संवर्धन कर रहा है।

(ग) और (घ): संस्कृति मंत्रालय भारत की सॉफ्ट पावर का प्रसार करने और वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक कूटनीति को प्रोत्साहित करने के लिए फेसबुक, X, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, लिंक्डइन, आदि जैसे सोशल मीडिया हैंडलों का प्रभावशाली ढंग से लाभ उठाता है। मंत्रालय द्वारा

संस्कृति मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट की देखरेख भी की जाती है, जहां एक ही जगह पर मंत्रालय के कार्यकलापों और पहलों से संबंधित संपूर्ण सूचना उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, आईसीसीआर ने निम्नलिखित को विकसित किया है: (i) अपने वैश्विक कार्यों को कारगर बनाने और केन्द्रीकृत करने हेतु एआईएमएस (कार्यकलाप सूचना प्रबंधन प्रणाली) पोर्टल, जिससे आईसीसीआर, भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों और विश्व भर में स्थापित भारतीय मिशनों/पोस्ट के बीच निर्बाध समन्वयन सुगम्य हो जाता है; (ii) भारत में अध्ययन करने के इच्छुक विदेशी विद्यार्थियों के लिए आवेदन और भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए ए टू ए (एडमिशन टू एल्यूम्नाइ) पोर्टल; (iii) ज्ञान सेतु एप्लीकेशन जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों और विश्वविद्यालयों को देय छात्रवृत्ति जारी करने की प्रक्रिया को सरल और स्वचालित करना है; और (iv) आईसीसीआर, कलाकार प्रबंधन प्रणाली (एएमएस) के माध्यम से आईसीसीआर द्वारा नियोजित भारतीय कलाकारों की सूचना का रखरखाव भी करता है।

आईसीसीआर ने भारतीय संस्कृति, प्राचीन भारतीय ग्रंथों आदि पर प्रारंभिक ज्ञान के सिंगल विंडो स्रोत के रूप में पारंपरिक भारतीय ज्ञान के संबंध में विशिष्ट पाठ्यक्रमों के लिए "पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों का सार्वभौमीकरण" ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है। आईसीसीआर अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय इंडोलॉजी सम्मेलन भी आयोजित करता है।

*****